खण्ड—स 2×14=28

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 14 अंक का है।

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पद्यों की हिन्दी भाषा में सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) अयं निजः परो वेति गणनालघुचेतसाम्।
उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम्॥

(ख) मातृवत् परदारेषु परद्रव्येषु लोष्ठवत्।
आत्मवत् सर्वभूतेषु यः पश्यति स पण्डितः॥

(ग) दुर्जनः परिहर्तव्यो विद्ययालंकृतोऽपि सन्।
मणिना भूषितः सर्पः किमसौ न भयंकरः॥

(घ) अवशेन्द्रियचित्तानां हस्तिस्नानमिव क्रिया।
दुर्भगाभरणप्रायो ज्ञानं भारः क्रियां विना॥

11. स्वप्नवासवदत्तम् का कथानक संक्षेप में लिखिए।

12. संस्कृत नाटक के उद्‌भव और विकास पर लेख लिखिए।

13. अलंकार सम्प्रदाय से क्या तात्पर्य है ? इसके प्रमुख आचार्यों के मत का संक्षेप में उल्लेख कीजिए।

SA–01

December – Examination 2023

B.A. (Part I) Examination

SANSKRIT

(Natak, Katha-Sahitya, Chhand Evam Alankar)

नाटक, कथा-साहित्य, छन्द एवं अलंकार

Paper : SA-01

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **70***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ 7×2=14

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1. (i) 'काव्यादर्श' किस आचार्य की रचना है ?

(ii) 'स्वप्नवासवदत्तम्' में अग्निदाह कौनसे ग्राम में हुआ ?

(iii) 'स्वप्नवासवदत्तम्' नाटक के विदूषक का नाम क्या है ?

(iv) भास की किन्हीं **दो** रचनाओं के नाम लिखिए।

(v) 'हितोपदेश' के लेखक कौन हैं ?

(vi) छन्द के कितने भेद होते हैं ? नाम लिखिए।

(vii) 'उपमा' अलंकार का लक्षण लिखिए।

खण्ड—ब **4×7=28**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 7 अंक का है।

2. निम्नलिखित में से किसी एक पद्य की हिन्दी भाषा में सप्रसंग व्याख्या कीजिए—

नैवेदानीं तादृशाश्चक्रवाका

नैवाप्यन्ये स्त्रीविशेषैर्वियुक्ता:।

धन्या सा स्त्री यां तथा वेत्ति भर्ता

भर्तृस्नेहात् सा हि दग्धाप्यदग्धा॥

अथवा

दु:खं त्यक्तुं बद्धमूलोऽनुराग:

स्मृत्वा-स्मृत्वा याति दु:खं नवत्वम्।

यात्रा त्वेषा यद् विमुच्येह वाष्पं

प्राप्ताऽनृण्या याति बुद्धि: प्रसादम्॥

3. भास रचित 'अभिषेकनाटकम्' का संक्षिप्त विवेचन कीजिए।

4. संस्कृत-नीति-कथा-साहित्य पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

5. वासवदत्ता का चरित्र-चित्रण कीजिए।

6. मृग, काक और शृगाल की कथा का सारांश लिखकर उससे मिलने वाली शिक्षा लिखिए।

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** सूक्तियों की हिन्दी भाषा में व्याख्या कीजिए—

(क) अनिर्ज्ञातानि दैवतान्यप्यव धूयन्ते

(ख) प्रद्वेषो बहुमानो वा संकल्पादुपजायते

(ग) स्त्रीस्वभावस्तु कातर:

(घ) अनतिक्रमणीयो हि विधि:

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** छन्दों के लक्षण और उदाहरण लिखिए—

(क) आर्या

(ख) इन्द्रव्रजा

(ग) मन्दाक्रान्ता

(घ) शार्दूलविक्रीडितम्

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** अलंकारों के लक्षण और उदाहरण लिखिए :

(क) श्लेष

(ख) सन्देह

(ग) उत्प्रेक्षा

(घ) निदर्शना